



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 मई, 2026

जारी करने का समय: 1445 घंटे

- विषय: (i) अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में ऊष्ण लहर से भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है।
- (ii) 29 मई से अधिकतम तापमान में कमी और ऊष्ण लहर की स्थिति में सुधार होने की संभावना है।
- (iii) अगले 2-3 दिनों के दौरान उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में तथा आज, 27 मई को दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तथा 27-29 मई 2026 के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।
- (iv) 28-30 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में 70 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से भीषण आंधी-तूफान की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (अनुलग्नक I):

- ❖ दक्षिण-पश्चिम मानसून आज, 27 मई 2026 को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, अंडमान सागर के शेष हिस्सों और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, लक्षद्वीप क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम, पूर्वी मध्य और पश्चिमी मध्य बंगाल की खाड़ी, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।
- ❖ 27 मई 2026 को मानसून की उत्तरी सीमा $9^{\circ}\text{N}/60^{\circ}\text{E}$, $8.5^{\circ}\text{N}/65^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/70^{\circ}\text{E}$, $7.5^{\circ}\text{N}/75^{\circ}\text{E}$, $8^{\circ}\text{N}/80^{\circ}\text{E}$, $11^{\circ}\text{N}/85^{\circ}\text{E}$, $15^{\circ}\text{N}/90^{\circ}\text{E}$, $19^{\circ}\text{N}/95^{\circ}\text{E}$ और $21^{\circ}\text{N}/97^{\circ}\text{E}$ से होकर गुजरती है।

आज, 27 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, रायलसीमा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में छिटपुट स्थानों पर 70-115 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, असम और मेघालय, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, सौराष्ट्र कच्छ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; गुजरात क्षेत्र, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ मराठवाड़ा, उत्तराखंड और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही। पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ स्थानों पर; दक्षिणी हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में भी ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (दिनांक 26-05-2026): कल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, विदर्भ में अधिकतम तापमान 45-47°C के बीच रहा और उत्तर पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, पश्चिमी तट और आंतरिक तमिलनाडु को छोड़कर देश के शेष भागों में 40-45°C के बीच रहा। **बांदा (उत्तर प्रदेश) में उच्चतम अधिकतम तापमान 47.4°C दर्ज किया गया।**
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (दिनांक 26-05-2026): कल, पूर्वी मध्य प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, हरियाणा-चंडीगढ़, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में छिटपुट स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा। झारखंड, उत्तराखंड और पंजाब में कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा; मध्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, रायलसीमा और तटीय कर्नाटक में कुछ स्थानों पर; असम और मेघालय, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, सौराष्ट्र और कच्छ, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और केरल और माहे में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और लक्षद्वीप में कई स्थानों पर सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) तापमान रहेगा; मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अधिकांश स्थानों पर; अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से 1.5°C) रहा।
- ❖ 27-05-2026 तक ओडिशा, मराठवाड़ा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) था। केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी भारत में यह सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) था, जबकि देश के शेष भागों में यह सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक II एवं III देखें):

- ❖ मध्य उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ उत्तर-पश्चिमी ओडिशा और आसपास के क्षेत्रों में एक चक्रवाती परिसंचरण है जो निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों तक फैला हुआ है।
- ❖ उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश से दक्षिणी तटीय ओडिशा तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तरी बिहार से दक्षिणी तेलंगाना तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक उत्तर-दक्षिण गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तरी तमिलनाडु तट और आसपास के क्षेत्रों में मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर अक्ष वाला एक पछुआ गर्त लगभग 89° पूर्व देशांतर के अनुदिश 21° उत्तर अक्षांश के उत्तर में फैला हुआ है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और आसपास के क्षेत्र में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ पूर्वी मध्य और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी में निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ 28 मई, 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 27 और 28 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1 और 2 जून को अरुणाचल प्रदेश में, 27 और 28 मई तथा 2 जून को असम और मेघालय में, और 27 और 28 मई तथा 30 मई और 2 जून को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, आंतरिक कर्नाटक में 27 मई से 2 जून तक और तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा, तेलंगाना और आंतरिक कर्नाटक में 27 मई से 31 मई तक छिटपुट से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 27 मई को; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 27 से 29 मई तक; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 27 और 28 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 27 से 29 मई तक; केरल और माहे में 27 मई और 1 और 2 जून को; लक्षद्वीप में 1 और 2 जून को; तटीय कर्नाटक, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तेलंगाना में 27 मई को छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 27 मई से 2 जून के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 27 से 29 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, और 27 से 31 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 27 से 31 मई के दौरान बिहार और ओडिशा में, और 27 मई से 1 जून के दौरान झारखंड में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 28 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में, और 28 और 29 मई को बिहार में, गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 27 और 29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 27 मई को बिहार में, और 27 से 30 मई के दौरान झारखंड और ओडिशा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 29 से 31 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, 27 मई को उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल और सिक्किम में, 28 मई को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 27 से 29 मई के दौरान बिहार में, और 29 और 30 मई को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 27 से 30 मई के दौरान, हिमाचल प्रदेश में 28 और 29 मई को, और उत्तराखंड में 27 से 30 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 से 31 मई के दौरान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27 से 31 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 29 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा और 100 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 28 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है; 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही संभावना है।
- ❖ 28 और 29 मई को राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है; 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 28-30 मई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही संभावना है।
- ❖ 29 मई को उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 29 और 30 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 और 29 मई को और पूर्वी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 29 मई को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ उत्तर प्रदेश और राजस्थान में 28 और 29 मई को कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 28 मई से 1 जून तक, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 27 से 31 मई तक, और छत्तीसगढ़ में 27 मई से 2 जून तक छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को, पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 29 से 31 मई के दौरान गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं, 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को, और छत्तीसगढ़ में 29 मई को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 27 और 28 मई तथा 1 और 2 जून को, गुजरात राज्य में 30 मई से 2 जून तक, और कोंकण और गोवा में 27 मई, 1 और 2 जून को गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 28-30 मई के दौरान तापमान में 6-8°C की क्रमिक गिरावट और 31 मई से 2 जून के दौरान 4-6°C की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ मध्य भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 28 मई से 2 जून के दौरान तापमान में 3-5°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 28 मई से 2 जून के दौरान तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ महाराष्ट्र में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 29 मई से 2 जून के दौरान तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ गुजरात राज्य में 30 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 31 मई से 2 जून के दौरान तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत में 29 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 30 मई से 2 जून के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 2 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, ऊष्ण रात्रि की चेतावनी:

- ❖ 27 और 28 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 27 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 27 से 29 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 27 और 28 मई को पूर्वी राजस्थान में भी ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 27 और 28 मई को पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 27 मई को पूर्वी राजस्थान में भी ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 27 से 29 मई के दौरान मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है; 27 और 28 मई को छत्तीसगढ़ में भी ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 27 मई को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; 27 और 28 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में भी ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ 27 से 29 मई के दौरान तेलंगाना के; हिमाचल प्रदेश, ओडिशा में 27 और 28 मई को कुछ इलाकों में ऊष्ण लहर चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 27 मई को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल में, 27 से 31 मई के दौरान ओडिशा में, 27 और 28 मई को कोंकण, गोवा और गुजरात राज्य के तटीय क्षेत्रों में, और 27 से 29 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ 27 और 28 मई को ओडिशा के कुछ इलाकों में, और 27 मई को मध्य प्रदेश और विदर्भ में ऊष्ण रात्रि रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 27 मई से 1 जून, 2026 के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 27 मई से 1 जून, 2026 के दौरान मन्नार की खाड़ी, श्रीलंका के तटों और दक्षिण एवं मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में। 28 से 30 मई के दौरान पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटों के आसपास और उससे दूर, तथा 28 मई से 1 जून, 2026 के दौरान अंडमान सागर के कई हिस्सों में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: 27 मई से 1 जून, 2026 के दौरान कोमोरिन क्षेत्र में, उत्तरी गुजरात के तटों और उससे दूर तथा उत्तर-पूर्वी अरब सागर के आसपास; 27 मई से 1 जून, 2026 के दौरान सोमालिया के तटों और उससे दूर, तथा दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों में न जाएं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 27 से 30 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ तेलंगाना: भूतपुर 11, हथनूर 11, कोइलकोंडा 11, नरवा 9, चिन्ना चिंता कुंट 9, थिम्मजिपेटा 8, कलवाकुर्थी 8, मददुर 8, नायकल 7, महबूबनगर 7
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: सेदाम 9, बीदर पीटीओ 8, चित्तपुर 7
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: कीलपेन्नाथुर (8), एडमंगलम (8), नटरामपालयम (7)
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: नरसापुरम 7

❖ रायलसीमा आत्मकुर 8

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: महारानी 115, राजनगर 100, लवंगतलाई - 91, मेट एजीटी 65, केवीके पानीसागर 65, हेजामारा 56, खोवाई 44, केवीके धलाई 43
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: अंकापल्ली 96, भीमावरम 48, लाम_गुंदूर 48, चिंतापल्ली 48
- ❖ रायलसीमा: अनंतपुरम 85, कृषि_कॉलेज_ बडवेल 65, रार्स_तिरुपति 59
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: हृगली 74, कालना 67, कल्याणी 57, नंदकुमार 54, बीजपुर 52, हरिनघाटा 48, दम दम, श्यामपुर 44
- ❖ झारखंड:दुमका 72
- ❖ ओडिशा: मयूरभंज 68
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: रानीपेट 61, कलावई 54, पेरम्बलूर 41, कल्लाकुरिची (तालुक_कार्यालय) 43, यरकौड_इसरो (सलेम) 43
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम: मञ्जियान 59, उत्तरी दिनाजपुर 41
- ❖ बिहार: पूर्वी चंपारण 57
- ❖ तेलंगाना: घटकेसर 57, पेद्दापल्ली 52, प्रकाशम_जम्मिकुंटा 50, हैदराबाद 46, गादिपल्ली 44,
- ❖ आदिलाबाद 43, रामगिरि_खिला 42
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 56
- ❖ सौराष्ट्रकच्छ: 56 भचाऊ अम्फुकच्छ
- ❖ असम और मेघालय: गुवाहाटी_सिटी 54, मानस 54, वीसीबीसी_रानी 54
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: आगरा 52, हिंडन 43, बरेलीआईएफ43, बरेली 41, जीबी नगर41
- ❖ गुजरात क्षेत्र 48 अरसरनेजअहमद
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 46, रीवा 46, सागर 43, सतना 43, सीधी 41,
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: अशोनगर 43, सीहोर 41
- ❖ पंजाब: मोहाली 44, पटियाला 43
- ❖ हरियाणा: पंचकुला 43 करनाल 43
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज 41
- ❖ विदर्भ: बुलदाना41, वर्धा 28, नागपुर 28
- ❖ मध्य महाराष्ट्र : जलगांव 41

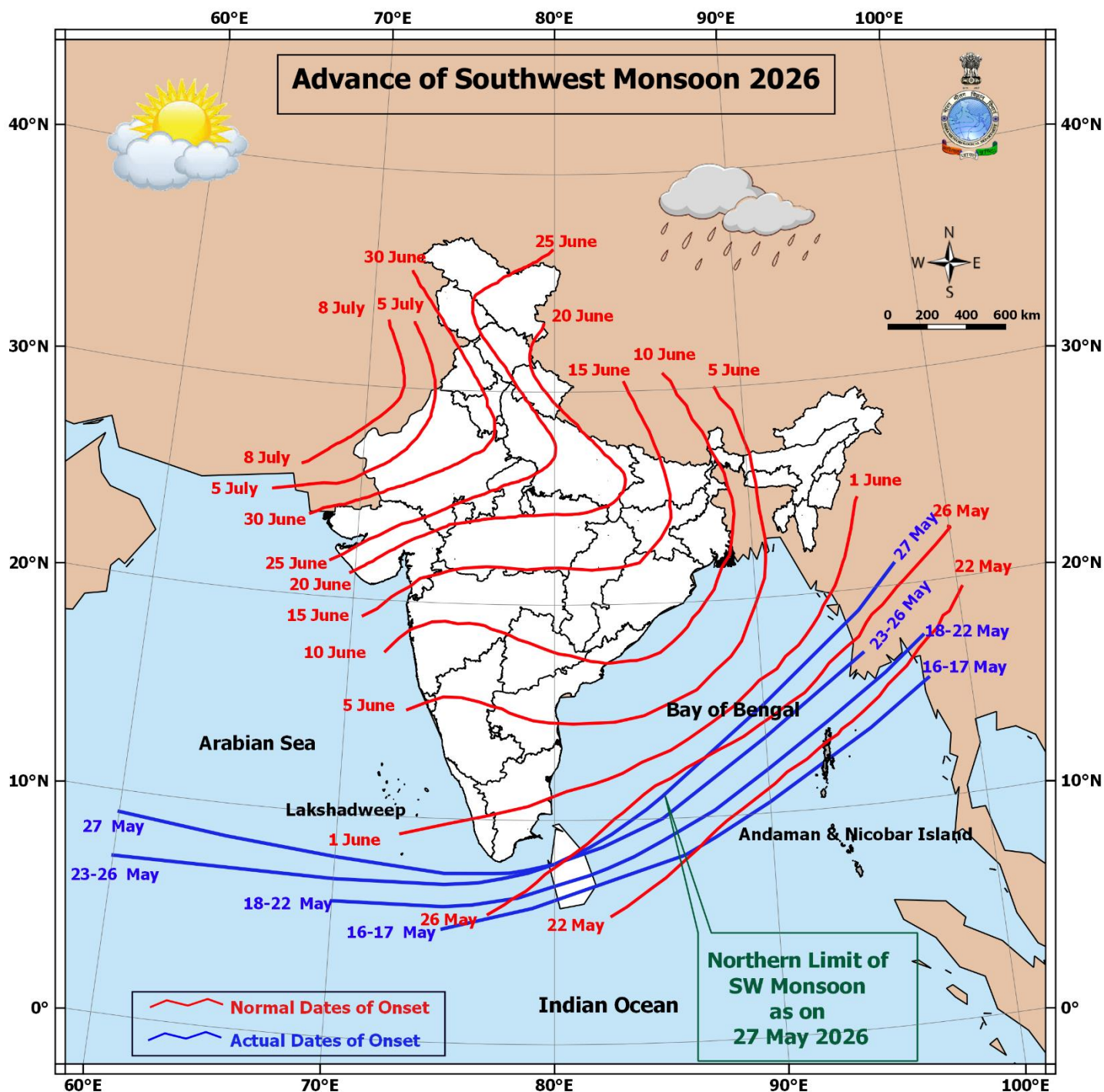
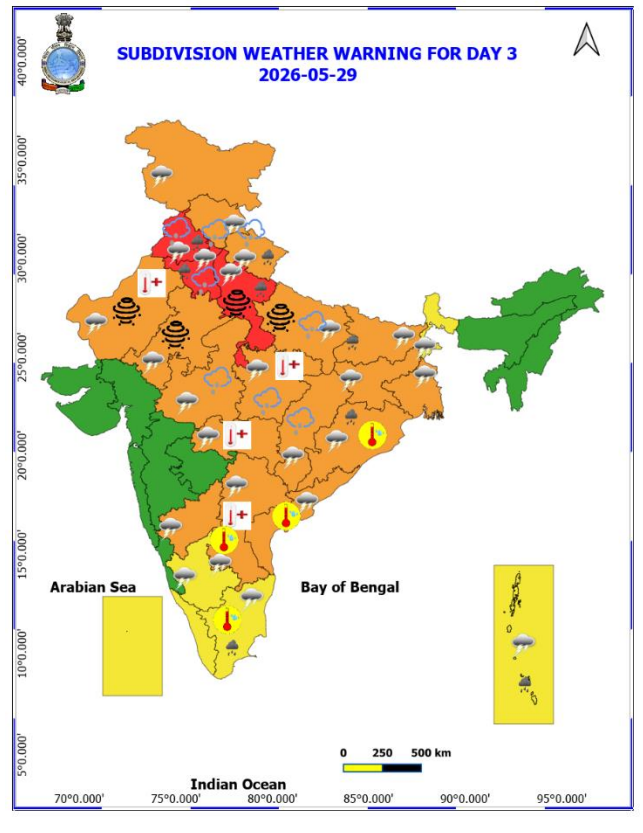
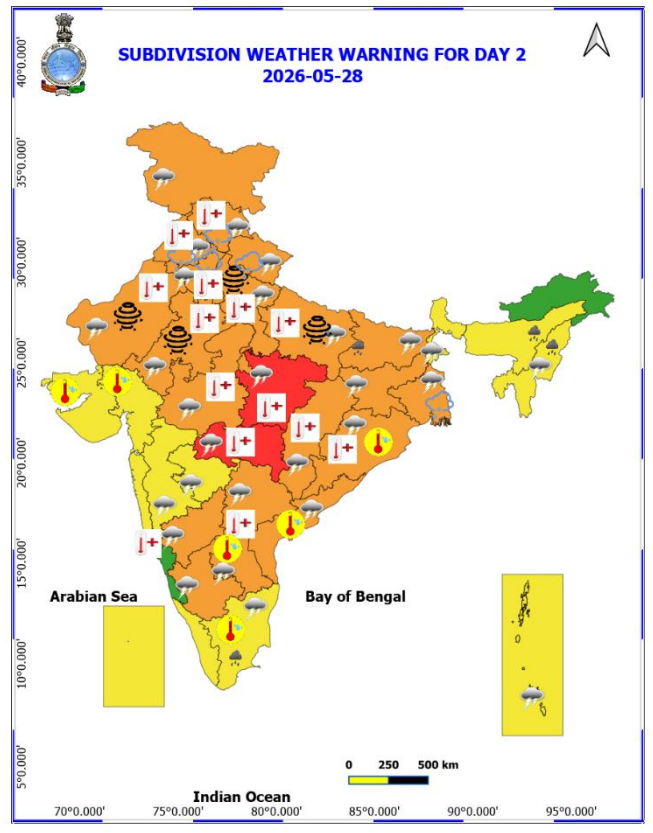
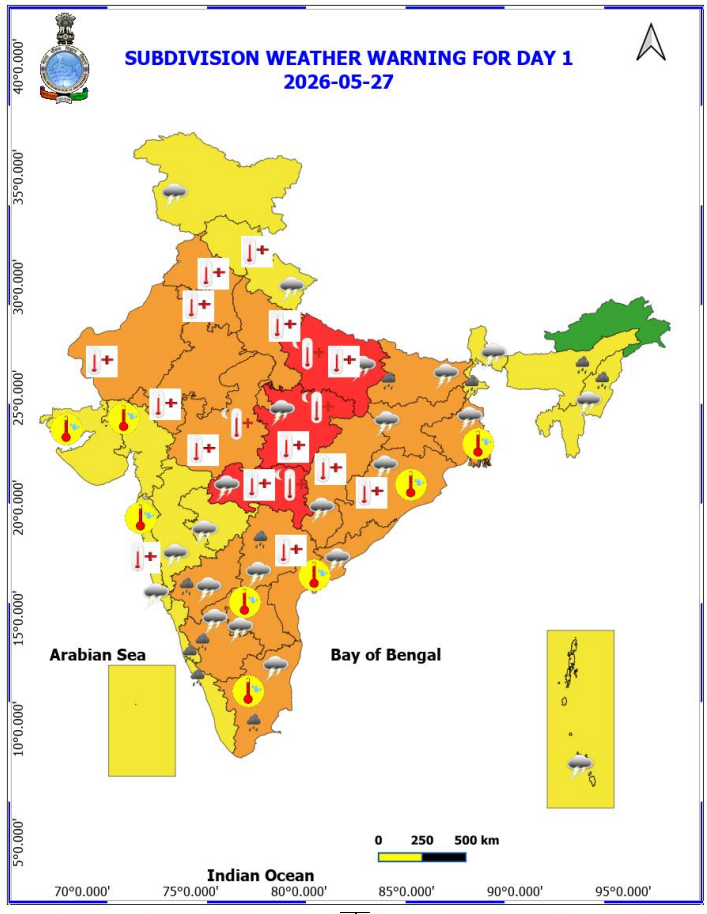
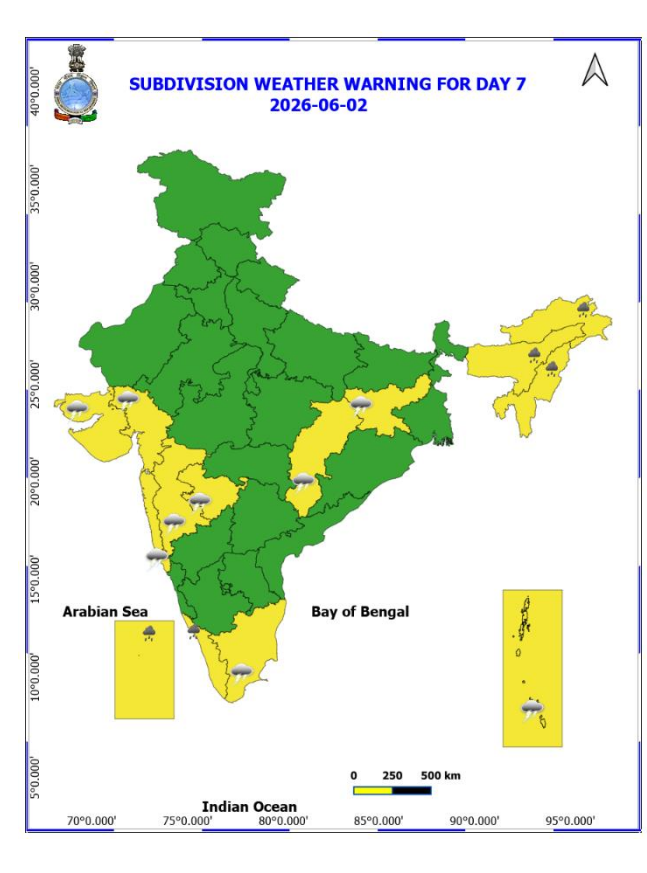
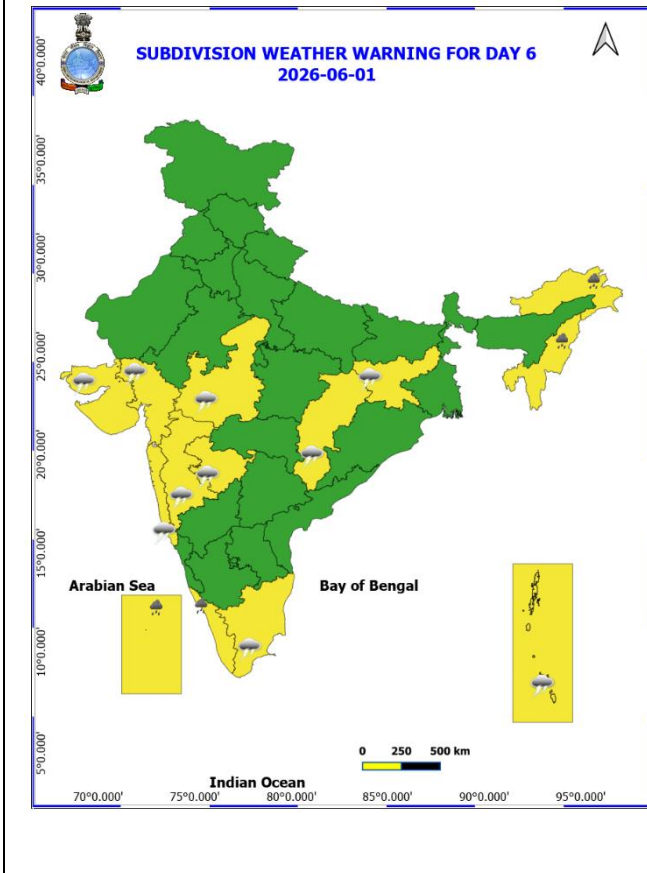
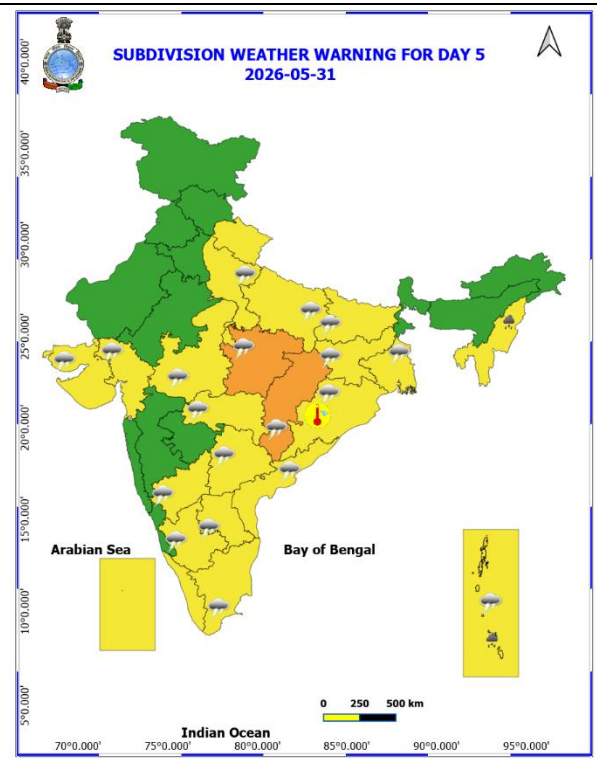
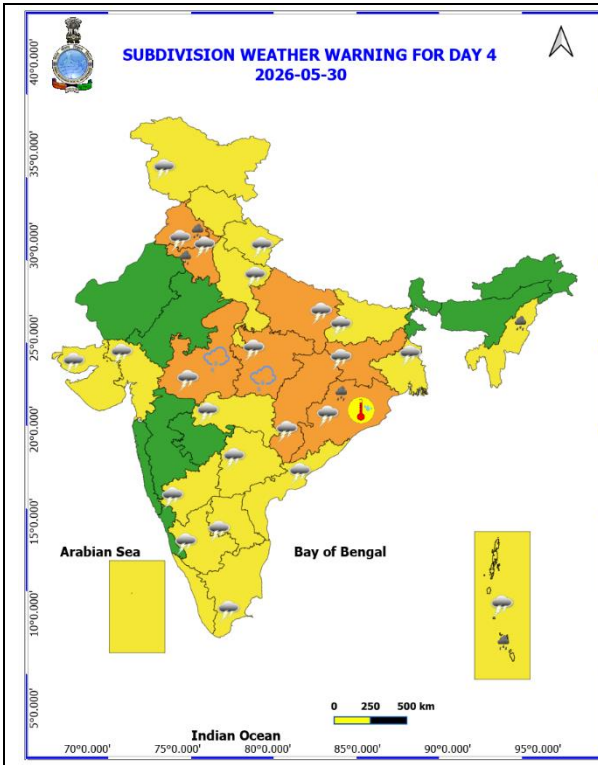


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- May	28- May	29- May	30- May	31- May	1- Jun	2- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	ISOL	ISOL	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	SCT	FWS	FWS	ISOL	ISOL	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	SCT	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	SCT	FWS	FWS	ISOL	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	FWS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 मई से 30 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 43-45°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-28°C की सीमा में रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, और सतह पर हवा की गति 20 kmph तक रही, जो कभी-कभी पश्चिम दिशा से 36 kmph तक पहुंच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने और सतह पर हवा की गति 15 kmph तक रहने की संभावना है, जो दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

मौसम पूर्वानुमान:

27.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू (Heat wave) की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक रहेगी और कभी-कभी 40 kmph तक पहुंच जाएगी। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44°C से 46°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 kmph तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम हो जाएगी और पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहेगी।

28.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज़ हवाएं चलेंगी, जिनकी गति 20-30 kmph तक रहेगी और कभी-कभी 40 kmph तक पहुंच जाएगी। शाम से रात के दौरान हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कना/धूल भरी आंधी और तेज़ हवाएं (50-60 kmph, जो 70 kmph तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के दौरान हवा की गति बढ़कर 25 kmph तक हो जाएगी और यह पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर 20 kmph तक रह जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

29.05.2026: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। सुबह से दोपहर तक बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कना/धूल भरी आंधी और तेज़ हवाएं (60-70 kmph, जो 80 kmph तक पहुंच सकती हैं) चलने का एक दौर आने की संभावना है। दोपहर से शाम तक बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कना और तेज़ हवाएं (40-50 kmph, जो 60 kmph तक पहुंच सकती हैं) चलने का एक और दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुंच सकती है। दोपहर के दौरान सतह पर चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण दिशा से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति बढ़कर 25 kmph तक हो जाएगी और यह पूर्व दिशा से चलेगी।

30.05.2026: आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा। बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ गरज/बिजली चमकने और तेज़ हवाएँ (40-50 kmph, जो 60 kmph तक पहुँच सकती हैं) चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम

तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे भी कम) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवाएँ पूर्वी दिशा से आने की संभावना है, जिनकी गति सुबह के समय 25 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्वी दिशा से 20 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति फिर से बढ़कर उत्तर-पूर्वी दिशा से 25 kmph तक हो जाएगी।

गरज/बिजली और तेज़ हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (50-60 kmph, जो 70 kmph तक पहुँच सकती हैं) के साथ-साथ धूल भरी हवाएँ चलने की संभावना है।

•संभावित प्रभाव: पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं और बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं; सूखे पेड़ के अंग गिर सकते हैं; खड़ी फसलों को नुकसान पहुँच सकता है; डालियाँ गिरने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से गंभीर नुकसान पहुँच सकता है; तेज़ हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है; हल्की-फुल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

•जन सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम के अपडेट और बिगड़ते हालात पर लगातार नज़र रखें; घर के अंदर ही रहें और बेवजह बाहर न निकलें; खिड़की-दरवाज़े मज़बूती से बंद रखें; सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुले इलाकों में जाने से बचें; पेड़ों के नीचे शरण न लें। ढकें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 28-30 मई के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत और पूर्वी भारत में 70 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तूफानी हवाओं के साथ मध्यम से तीव्र आंधी-तूफान की संभावना है।
- ❖ 28 और 29 मई को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 मई को, मध्य प्रदेश में 29 और 30 मई को और छत्तीसगढ़ में 29 मई को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।

- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 1 और 2 जून को, असम और मेघालय में 27 और 28 मई और 2 जून को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27, 28 मई और 30 मई और 2 जून को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 27-29 जून को, केरल और माहे में 27 मई और 1 और 2 जून को, लक्षद्वीप में 1 और 2 जून को, तटीय कर्नाटक, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तेलंगाना में 27 मई को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 29-31 मई को, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 मई को, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में 28 मई को, बिहार में 27-29 मई को, ओडिशा में 29 और 30 मई को, और उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 मई को; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 29 और 30 मई को भारी वर्षा की संभावना है। ।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में ऊष्ण लहर से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति जारी रहने की संभावना है।

❖ रेड अलर्ट क्षेत्र

- सभी आयु वर्ग के लोगों में लू लगने और हीट स्ट्रोक होने की अत्यधिक संभावना है
- संवेदनशील लोगों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।

❖ ऑरेंज अलर्ट क्षेत्र

- उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में लू लगने के लक्षणों की संभावना बढ़ जाती है।

- संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें - शरीर को ठंडा रखें। निर्जलीकरण से बचें।
- पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस, घर के बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

❖ येलो अलर्ट क्षेत्र

- सामान्य तापमान और गर्मी आम जनता के लिए सहनीय है, लेकिन संवेदनशील लोगों, जैसे शिशुओं, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए मध्यम स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हैं।
- गर्मी से बचें।
- हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहनें।
- अपना सिर ढकें, कपड़े, टोपी या छाते का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- असम में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलिथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, संतरे और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को शीघ्र निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- मेघालय में, साफ मौसम में केले के परिपक्व फलों की तुरंत तुड़ाई करें। मक्का, अदरक, सब्जी, केला और बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- नागालैंड में, बैंगन की रोपाईं देरी से करें। पहले से ही रोपे गए पौधों, मक्का, सब्जियों और बागानों में और उसके आसपास उचित जल निकासी बनाए रखें।
- मणिपुर में, आवश्यक जल स्तर बनाए रखने हेतु धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बनाए। मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- मिजोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मल्च का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा प्रदान करें।
- त्रिपुरा, परिपक्व बोडो धान की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करें।
- पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- बिहार में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुवाई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- तमिलनाडु में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।

- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टैकिंग प्रदान करें।
- **आंध्र प्रदेश - रायलसीमा में** - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **हिमाचल प्रदेश** में, टमाटर और खीरे की नर्सरी में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। नमी बनाए रखने हेतु नर्सरी में सब्जियों के पौधों को घास से ढकें।
- **पंजाब** में कपास, सब्जियाँ और बागानों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में, गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियाँ और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में, मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **ओडिशा** में - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - काँकण क्षेत्र** में, मूंग, सब्जियाँ और नए लगाए गए सुपारी व नारियल के पौधों की सिंचाई करें। **विदर्भ क्षेत्र** में, गर्मियों की मूंग, मूंगफली, प्याज़, सूरजमुखी, तिल, चारे की फसलों, बागों और सब्जियों को दिन के ठंडे समय में, ज़रूरत के हिसाब से, हल्की और बार-बार सिंचाई दें। सब्जी और बागों की फसलों में वाष्पीकरण कम करने के लिए पुआल की मल्लिचंग का इस्तेमाल करें, और नई लगाई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएँ।
- **गुजरात** - ग्वार फली, खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी खड़ी फसलों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली में फूल आने और पेगिंग (जड़ें जमने) की अवस्था में सिंचाई करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।
- **तेलंगाना** में, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

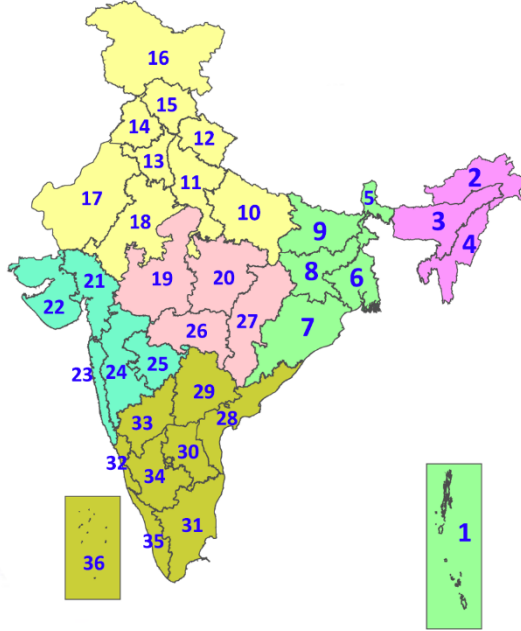
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)